कृषि

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» कृषि के प्रकार और उनका वर्गीकरण

प्रश्न 1 (आसान). कौन सी कृषि में किसान मुख्य रूप से अपने परिवार के लिए अनाज उगाता है?
उत्तर – प्रारंभिक जीविका निर्वाह कृषि

प्रश्न 2 (आसान). जब किसान फसल को बाज़ार में बेचने के उद्देश्य से उगाता है, तो उसे क्या कहते हैं?
उत्तर – वाणिज्यिक कृषि

प्रश्न 3 (मध्यम). अगर किसी खेत में किसान थोड़ी आधुनिक तकनीक इस्तेमाल करके अपने परिवार के लिए और थोड़ा-सा बाज़ार के लिए अनाज उगाता है, तो यह किस श्रेणी में आएगा?
उत्तर – गहन जीविका कृषि

प्रश्न 4 (कठिन). महाराष्ट्र में गन्ने के बड़े-बड़े खेत हैं जहाँ सिर्फ गन्ना उगाया जाता है और उसे चीनी मिलों को बेचा जाता है। यह कृषि का कौन सा प्रकार है और क्यों?
उत्तर – यह 'वाणिज्यिक कृषि' है क्योंकि इसका मुख्य उद्देश्य बाज़ार में बेचना और पैसा कमाना है, न कि किसान के परिवार की जीविका चलाना।

» प्रारंभिक जीविका निर्वाह कृषि (झूम कृषि)

प्रश्न 5 (आसान). प्रारंभिक जीविका निर्वाह कृषि में कौन सी तकनीकें इस्तेमाल होती हैं?
उत्तर – कोई आधुनिक तकनीक या खाद नहीं, सिर्फ आदिम औजार और प्राकृतिक तरीके।

प्रश्न 6 (आसान). झूम कृषि को 'कर्तन दहन प्रणाली' क्यों कहते हैं?
उत्तर – क्योंकि इसमें किसान जंगल का एक छोटा सा हिस्सा काटकर और जलाकर खेती की ज़मीन तैयार करता है।

प्रश्न 7 (मध्यम). भारत के किन राज्यों में झूम कृषि को 'दीपा' के नाम से जाना जाता है?
उत्तर – छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में।

प्रश्न 8 (कठिन). प्रारंभिक जीविका निर्वाह कृषि और गहन जीविका कृषि में मुख्य अंतर क्या है?
उत्तर – प्रारंभिक में सिर्फ परिवार के लिए, बिना आधुनिक तकनीक के; गहन में परिवार के लिए और थोड़ा बाज़ार के लिए, आधुनिक तकनीकों का सीमित उपयोग।

» गहन जीविका कृषि

प्रश्न 9 (आसान). गहन जीविका कृषि किन क्षेत्रों में की जाती है?
उत्तर – अधिक जनसंख्या दबाव वाले क्षेत्रों में।

प्रश्न 10 (आसान). क्या गहन जीविका कृषि में ज़्यादा मेहनत लगती है?
उत्तर – हाँ, यह श्रम-गहन खेती है।

प्रश्न 11 (मध्यम). गहन जीविका कृषि में अधिक उत्पादन के लिए किन चीज़ों का इस्तेमाल होता है?
उत्तर – रासायनिक निवेशों (खाद) और सिंचाई का।

प्रश्न 12 (कठिन). विरासत के अधिकार के कारण जोतों का आकार छोटा होने से गहन जीविका कृषि पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर – जोतों का आकार छोटा और अलाभप्रद होता जाता है, जिससे किसानों पर सीमित भूमि से अधिकतम पैदावार लेने का दबाव और बढ़ जाता है।

» वाणिज्यिक कृषि और रोपण कृषि

प्रश्न 13 (आसान). वाणिज्यिक कृषि का मुख्य उद्देश्य क्या होता है?

उत्तर – बाज़ार में बेचना और पैसा कमाना।

प्रश्न 14 (आसान). रोपण कृषि किस प्रकार की खेती है?

उत्तर – यह वाणिज्यिक कृषि का ही एक प्रकार है।

प्रश्न 15 (मध्यम). चाय और कॉफी किस प्रकार की कृषि के उदाहरण हैं?

उत्तर – रोपण कृषि।

प्रश्न 16 (कठिन). रोपण कृषि में कौन सी दो चीज़ें एक साथ जुड़ी होती हैं?

उत्तर – कृषि और उद्योग।

» शस्य प्रारूप (फसल ऋतुएँ)

प्रश्न 17 (आसान). गेहूँ किस फसल ऋतु का उदाहरण है?

उत्तर – रबी

प्रश्न 18 (आसान). चावल और मक्का किस ऋतु में बोए जाते हैं?

उत्तर – खरीफ

प्रश्न 19 (मध्यम). रबी की फसलों को किस महीने के बीच बोया और काटा जाता है?

उत्तर – अक्टूबर से दिसंबर के बीच बोया जाता है और अप्रैल से जून के बीच काटा जाता है।

प्रश्न 20 (कठिन). पंजाब, हरियाणा में हरित क्रांति की सफलता ने किस फसल ऋतु की पैदावार बढ़ाने में मदद की?

उत्तर – रबी की फसलों, खासकर गेहूँ की पैदावार बढ़ाने में मदद की।

» मुख्य खाद्यान्न फसलें - चावल और गेहूँ

प्रश्न 21 (आसान). चावल किस फसल ऋतु का उदाहरण है?

उत्तर – खरीफ ऋतु

प्रश्न 22 (आसान). गेहूँ किस फसल ऋतु का उदाहरण है?

उत्तर – रबी ऋतु

प्रश्न 23 (मध्यम). चावल उगाने के लिए कितने तापमान और वर्षा की आवश्यकता होती है?

उत्तर – 25° सेल्सियस से ऊपर तापमान और 100 सेमी. से अधिक वर्षा।

प्रश्न 24 (कठिन). पंजाब और हरियाणा में कम वर्षा के बावजूद चावल कैसे उगाया जाता है?

उत्तर – नहरों के जाल और नलकूपों की सघनता के कारण सिंचाई से चावल उगाया जाता है।

» मोटे अनाज और मक्का

प्रश्न 25 (आसान). कौन-कौन से अनाज को 'मोटे अनाज' कहा जाता है?

उत्तर – ज्वार, बाजरा और रागी।

प्रश्न 26 (आसान). मक्का का उपयोग किस-किस रूप में होता है?
उत्तर – खाद्यान्न (खाने के लिए) और चारा (जानवरों के लिए)।

प्रश्न 27 (मध्यम). रागी उगाने के लिए कैसी मिट्टी और जलवायु की आवश्यकता होती है?
उत्तर – रागी शुष्क प्रदेशों की फसल है और यह लाल, काली, बलुआ, दोमट और उथली काली मिट्टी पर अच्छी तरह उगती है।

प्रश्न 28 (कठिन). ज्वार को सिंचाई की कम आवश्यकता क्यों होती है और इसके प्रमुख उत्पादक राज्य कौन से हैं?
उत्तर – ज्वार वर्षा पर निर्भर होता है और अधिकतर आर्द्र क्षेत्रों में उगाए जाने के कारण इसे सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती। इसके प्रमुख उत्पादक राज्य महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश हैं।

» दालें: उत्पादन और महत्व

प्रश्न 29 (आसान). शाकाहारी खाने में प्रोटीन का सबसे मुख्य स्रोत क्या है?
उत्तर – दालें

प्रश्न 30 (आसान). भारत दालों का सबसे बड़ा _____ और _____ देश है।
उत्तर – उत्पादक, उपभोक्ता

प्रश्न 31 (मध्यम). दालों को उगाने के लिए किस तरह की नमी की आवश्यकता होती है?
उत्तर – कम नमी की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 32 (कठिन). अरहर को छोड़कर अन्य दालें मिट्टी की उर्वरता को कैसे बनाए रखती हैं?
उत्तर – वायु से नाइट्रोजन लेकर भूमि की उर्वरता को बनाए रखती हैं।

» खाद्यान्नों के अलावा अन्य खाद्य फसलें - गन्ना और तिलहन

प्रश्न 33 (आसान). मूंगफली किस मौसम की फसल है?
उत्तर – खरीफ की फसल

प्रश्न 34 (आसान). तिलहन का मुख्य उपयोग क्या है?
उत्तर – खाने का तेल

प्रश्न 35 (मध्यम). खाद्यान्नों के अलावा दो अन्य खाद्य फसलों के नाम बताओ और उनका एक-एक उपयोग लिखो।
उत्तर – गन्ना (चीनी बनाने में), मूंगफली (मूंगफली का तेल बनाने में)

प्रश्न 36 (कठिन). भारत दुनिया में तिलहन का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, लेकिन भारत की अधिकतर तिलहन फसलें खाद्य क्यों हैं? क्या इनके कोई अन्य उपयोग भी हैं?
उत्तर – हाँ, भारत की अधिकतर तिलहन फसलें खाद्य हैं और खाना बनाने में इस्तेमाल होती हैं। लेकिन कुछ तेल के बीजों का उपयोग साबुन, कॉस्मेटिक्स और उबटन जैसे उद्योगों में कच्चे माल के रूप में भी होता है।

» पेय फसलें - चाय और कॉफी

प्रश्न 37 (आसान). चाय किस प्रकार की कृषि का उदाहरण है?
उत्तर – रोपण कृषि (Plantation Crop)

प्रश्न 38 (आसान). भारत में कॉफी की कौन सी किस्म उगाई जाती है?
उत्तर – अरेबिका

प्रश्न 39 (मध्यम). चाय की खेती के लिए कैसी जलवायु और मिट्टी चाहिए?
उत्तर – गर्म और नम जलवायु, गहरी ह्यूमस युक्त ढलवाँ मिट्टी।

प्रश्न 40 (कठिन). भारत में चाय और कॉफी के मुख्य उत्पादक क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर – चाय: असम, पश्चिम बंगाल (दार्जिलिंग), तमिलनाडु, केरल। कॉफी: कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु (नीलगिरि की पहाड़ियाँ)।

» बागवानी फसलें (फल और सब्जियाँ)

प्रश्न 41 (आसान). फल और सब्जियों के उत्पादन में भारत का विश्व में कौन सा स्थान है?
उत्तर – दूसरा

प्रश्न 42 (आसान). हिमाचल प्रदेश में कौन से फल मुख्य रूप से उगाए जाते हैं?
उत्तर – सेब और नाशपाती

प्रश्न 43 (मध्यम). कौन से दो राज्य लीची के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध हैं?
उत्तर – उत्तर प्रदेश और बिहार

प्रश्न 44 (कठिन). भारतीय संतरे किन दो प्रमुख स्थानों के लिए प्रसिद्ध हैं?
उत्तर – नागपुर और चेरापूँजी (मेघालय)

» अखाद्य फसलें - रबड़ और रेशेदार फसलें (कपास, जूट, रेशम)

प्रश्न 45 (आसान). रबड़ और कपास कौन सी फसलें हैं - खाद्य या अखाद्य?
उत्तर – अखाद्य फसलें

प्रश्न 46 (आसान). कपास का उपयोग किस उद्योग में होता है?
उत्तर – सूती कपड़ा उद्योग

प्रश्न 47 (मध्यम). जूट को 'सुनहरा रेशा' क्यों कहा जाता है और यह कहाँ उगता है?
उत्तर – जूट को उसके सुनहरे रंग के कारण 'सुनहरा रेशा' कहा जाता है। यह बाढ़ के मैदानों में जल-निकास वाली उर्वरक मिट्टी में उगता है, जहाँ हर साल नई मिट्टी जमा होती है।

प्रश्न 48 (कठिन). कपास की खेती के लिए ज़रूरी भौगोलिक परिस्थितियाँ और पकने में लगने वाला समय क्या है?
उत्तर – कपास के लिए उच्च तापमान, हल्की वर्षा या सिंचाई, 210 पाला रहित दिन और खिली धूप की आवश्यकता होती है। इसे पककर तैयार होने में 6 से 8 महीने लगते हैं।

» प्रौद्योगिकीय और संस्थागत सुधार

प्रश्न 49 (आसान). चकबंदी किस प्रकार का सुधार है - प्रौद्योगिकीय या संस्थागत?
उत्तर – संस्थागत

प्रश्न 50 (आसान). फसल का बीमा करवाना किस प्रकार का सुधार है?
उत्तर – संस्थागत

प्रश्न 51 (मध्यम). हरित क्रांति में उपयोग किए गए अधिक उपज वाले बीजों को क्या कहते हैं?
उत्तर – HYV बीज (High Yielding Variety seeds)

प्रश्न 52 (कठिन). भारत सरकार किसानों को बिचौलियों से बचाने के लिए कौन सा महत्वपूर्ण कदम उठाती है?
उत्तर – न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की घोषणा करना।

» भूदान-ग्रामदान आंदोलन

प्रश्न 53 (आसान). भूदान आंदोलन किसने शुरू किया था?
उत्तर – आचार्य विनोबा भावे ने।

प्रश्न 54 (आसान). भूदान का मतलब क्या है?
उत्तर – भूमि का दान।

प्रश्न 55 (मध्यम). भूदान-ग्रामदान आंदोलन को 'रक्तहीन क्रांति' क्यों कहते हैं?
उत्तर – क्योंकि इसमें बिना किसी हिंसा या खून-खराबे के ज़मीन के बँटवारे में एक बड़ा सामाजिक बदलाव लाया गया।

प्रश्न 56 (कठिन). भूदान-ग्रामदान आंदोलन महात्मा गांधी के किस विचार से प्रेरित था?
उत्तर – यह महात्मा गांधी के 'ग्राम स्वराज' और अहिंसा के विचारों से प्रेरित था, जहाँ लोग स्वेच्छा से मिलकर अपनी समस्याओं का समाधान करते हैं।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. मान लीजिए एक किसान के पास एक छोटा-सा खेत है और वह उस खेत में केवल अपने परिवार के खाने के लिए थोड़ी-सी दाल और सब्ज़ियाँ उगाता है। बताइए, यह किस प्रकार की कृषि है?

› पहला कदम यह समझना है कि किसान का मुख्य उद्देश्य क्या है।

› यहाँ किसान केवल 'अपने परिवार के खाने के लिए' फसल उगा रहा है, न कि बाज़ार में बेचने के लिए।

› जब खेती का मुख्य उद्देश्य परिवार का पेट भरना (जीविका चलाना) होता है, और वह भी छोटे पैमाने पर, तो उसे 'प्रारंभिक जीविका निर्वाह कृषि' कहते हैं।

उत्तर – यह 'प्रारंभिक जीविका निर्वाह कृषि' है।

उदाहरण 2. यह बताओ, 'झूम कृषि' में किसान एक जगह पर लगातार खेती क्यों नहीं करता और वह कौन से औजार इस्तेमाल करता है?

› पहला कारण यह है कि झूम कृषि में किसान किसी भी तरह की रासायनिक खाद या आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल नहीं करता।

› जब एक ही ज़मीन पर कुछ साल खेती होती है, तो मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता धीरे-धीरे कम होने लगती है।

› उर्वरता कम होने से फसल अच्छी नहीं होती, इसलिए किसान उस ज़मीन को छोड़कर दूसरी जगह साफ़ करता है।

› मिट्टी की उर्वरता दोबारा बढ़ाने के लिए किसान उस ज़मीन को कुछ समय के लिए खाली छोड़ देता है, ताकि प्राकृतिक रूप से मिट्टी फिर से उपजाऊ हो जाए।

› इस कृषि में किसान लकड़ी के हल, डाओ (एक तरह का चाकू या हंसिया), और खुदाई करने वाली छड़ी जैसे बहुत ही साधारण और पुराने औजार इस्तेमाल करता है।

उत्तर – झूम कृषि में किसान मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता घटने के कारण स्थान बदलता है, और वह लकड़ी के हल, डाओ व खुदाई करने वाली छड़ी जैसे आदिम औजारों का उपयोग करता है।

उदाहरण 3. एक किसान के पास 1 एकड़ ज़मीन है और उसके परिवार में 8 सदस्य हैं। उसे इस ज़मीन से अपने परिवार के लिए और कुछ बेचने के लिए भी अनाज उगाना है। वह कौन सी कृषि पद्धति अपनाएगा और क्यों?

› पहचानें कि परिवार बड़ा है और ज़मीन सीमित (1 एकड़)।

› ऐसी स्थिति में 'प्रारंभिक जीविका निर्वाह कृषि' संभव नहीं है, क्योंकि उसमें कम उत्पादन होता है और ज़मीन बदलने की आवश्यकता होती है।

› किसान 'गहन जीविका कृषि' अपनाएगा।

› इस पद्धति में, वह अपनी 1 एकड़ ज़मीन पर अधिक मेहनत करेगा, रासायनिक खाद और सिंचाई का प्रयोग करेगा, ताकि प्रति एकड़ उत्पादन बढ़ सके।

उत्तर – किसान 'गहन जीविका कृषि' अपनाएगा क्योंकि सीमित ज़मीन और बड़े परिवार के दबाव में उसे एक ही खेत से अधिकतम उत्पादन लेना होगा।

उदाहरण 4. नीचे दी गई कौन सी फसल रोपण कृषि का उदाहरण है और क्यों?

› पहला विकल्प: गेहूं - गेहूं अक्सर छोटे खेतों में भी उगाया जाता है और यह मुख्य रूप से भोजन के लिए होता है, ज़रूरी नहीं कि हमेशा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक रूप से ही हो।

› दूसरा विकल्प: मक्का - मक्का भी कई जगह जीविका फसल है, और ज़रूरी नहीं कि यह हमेशा बहुत बड़े क्षेत्र में एक ही फसल के रूप में हो।

› तीसरा विकल्प: कॉफी - कॉफी के बागान बहुत बड़े क्षेत्र में होते हैं, इसमें सिर्फ कॉफी ही उगाई जाती है, और इसका मुख्य उद्देश्य इसे बेचकर पैसा कमाना है, इसे उद्योगों में कच्चे माल के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है।

› चौथा विकल्प: चावल - चावल जीविका फसल भी हो सकती है और वाणिज्यिक भी, लेकिन रोपण कृषि की तरह 'एकल फसल' और 'उद्योग से जुड़ाव' हर जगह नहीं होता।

› इसलिए, कॉफी सबसे सटीक उदाहरण है।

उत्तर – कॉफी, क्योंकि यह बड़े क्षेत्र में उगाई जाने वाली एकल फसल है जिसका उद्देश्य व्यापार और उद्योग के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराना है।

उदाहरण 5. प्रश्न: भारत में प्रमुख तीन फसल ऋतुओं के नाम बताइए और हर ऋतु में बोई जाने वाली किन्हीं दो मुख्य फसलों के उदाहरण दीजिए।

› पहला कदम: हमें तीन ऋतुओं के नाम लिखने हैं - रबी, खरीफ और ज़ायद।

› दूसरा कदम: रबी ऋतु की दो फसलें - गेहूँ और सरसों।

› तीसरा कदम: खरीफ ऋतु की दो फसलें - चावल और मक्का।

› चौथा कदम: ज़ायद ऋतु की दो फसलें - तरबूज और खीरा।

उत्तर – भारत में तीन प्रमुख फसल ऋतुएँ हैं: रबी (मुख्य फसलें: गेहूँ, सरसों), खरीफ (मुख्य फसलें: चावल, मक्का), और ज़ायद (मुख्य फसलें: तरबूज, खीरा)।

उदाहरण 6. प्रश्न: चावल और गेहूँ के उत्पादन के लिए आवश्यक भौगोलिक परिस्थितियों और प्रमुख उत्पादक राज्यों का वर्णन करें।

› पहले चावल के बारे में बताएंगे: चावल भारत की अधिकांश जनसंख्या का मुख्य भोजन है। यह एक खरीफ की फसल है।

› आवश्यक परिस्थितियां: इसे उगाने के लिए 25° सेल्सियस से ऊपर उच्च तापमान और 100 सेमी. से अधिक वर्षा या अधिक आर्द्रता चाहिए होती है। कम वर्षा वाले क्षेत्रों में सिंचाई से उगाया जाता है।

› प्रमुख उत्पादक राज्य: उत्तर और उत्तर-पूर्वी मैदानों, तटीय क्षेत्रों और डेल्टाई प्रदेशों में, जैसे पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा।

› अब गेहूँ के बारे में बताएंगे: गेहूँ भारत की दूसरी सबसे महत्त्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है। यह एक रबी की फसल है।

› आवश्यक परिस्थितियां: इसे उगाने के लिए शीत ऋतु और पकते समय खिली धूप की आवश्यकता होती है। 50 से 75 सेमी. वार्षिक वर्षा इसके लिए आदर्श है।

› प्रमुख उत्पादक राज्य: देश के उत्तर और उत्तर-पश्चिमी भागों में, जैसे पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और राजस्थान के कुछ भाग।

उत्तर – चावल को उच्च तापमान और अधिक वर्षा, जबकि गेहूँ को शीत ऋतु और मध्यम वर्षा चाहिए। चावल के प्रमुख उत्पादक राज्य पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा हैं। गेहूँ के प्रमुख उत्पादक राज्य पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार हैं।

उदाहरण 7. भारत में उगाए जाने वाले तीन मुख्य मोटे अनाजों के नाम बताओ और रागी में पाए जाने वाले किन्हीं दो पोषक तत्वों का उल्लेख करो।

› पहला मुख्य मोटा अनाज है ज्वार।

› दूसरा मुख्य मोटा अनाज है बाजरा।

› तीसरा मुख्य मोटा अनाज है रागी।

› रागी में मुख्य रूप से लोहा (iron) और कैल्शियम (calcium) जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं।

उत्तर – भारत में उगाए जाने वाले तीन मुख्य मोटे अनाज हैं: ज्वार, बाजरा और रागी। रागी में लोहा और कैल्शियम जैसे

पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।

उदाहरण 8. भारत में उगाई जाने वाली किन्हीं तीन दालों के नाम बताइए जो प्रोटीन का मुख्य स्रोत हैं और उनमें से एक का नाम भी बताइए जो मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में मदद नहीं करती।

› सबसे पहले, उन दालों के नाम याद करें जो भारत में आमतौर पर उगाई जाती हैं: अरहर, उड़द, मूंग, मसूर, चना, मटर।

› अब इनमें से कोई भी तीन चुनें: जैसे अरहर, उड़द, मूंग।

› अब वह दाल पहचानें जो मिट्टी की उर्वरता में मदद नहीं करती: वह है अरहर।

› तो, उत्तर होगा अरहर, उड़द, मूंग दालें हैं जो प्रोटीन देती हैं, और अरहर मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में मदद नहीं करती।

उत्तर – अरहर, उड़द और मूंग प्रमुख दालें हैं। इनमें से अरहर की दाल मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में मदद नहीं करती है।

उदाहरण 9. गन्ना उगाने के लिए कौन-सी भौगोलिक परिस्थितियाँ ज़रूरी हैं? भारत के किन्हीं दो प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों के नाम बताइए।

› पहला, गन्ने को 'उष्ण' और 'उपोष्ण कटिबंधीय' फसल कहते हैं। इसका मतलब है कि इसे गर्मी और थोड़ी नमी दोनों चाहिए।

› दूसरा, इसके लिए 21°C से 27°C के बीच का तापमान सबसे अच्छा होता है।

› तीसरा, मिट्टी भी उपजाऊ होनी चाहिए और पानी की कमी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि गन्ने को बहुत पानी लगता है।

› भारत में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्य हैं।

उत्तर – गन्ना उगाने के लिए 21°C से 27°C तापमान और उपजाऊ मिट्टी वाली उष्ण/उपोष्ण कटिबंधीय परिस्थितियाँ ज़रूरी हैं। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र प्रमुख उत्पादक राज्य हैं।

उदाहरण 10. चाय की खेती के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाएँ और भारत के प्रमुख उत्पादक क्षेत्र बताइए।

› सबसे पहले, हमें यह याद रखना होगा कि चाय एक रोपण कृषि (plantation crop) है, यानी बड़े बागानों में उगाई जाती है।

› इसके लिए गर्म और नम जलवायु चाहिए, मतलब जहाँ साल भर अच्छी गर्मी हो और बारिश भी खूब हो, लेकिन पाला (frost) बिल्कुल न पड़े।

› मिट्टी गहरी और ह्यूमस वाली होनी चाहिए, और सबसे ज़रूरी - ज़मीन ढलवाँ हो ताकि पानी रुके नहीं, क्योंकि जड़ों में पानी भरने से पौधा खराब हो जाता है।

› चाय की पत्तियों को तोड़ने के लिए बहुत सारे सस्ते और कुशल मज़दूरों की ज़रूरत होती है, क्योंकि यह काम हाथ से ही होता है।

› भारत में इसके मुख्य उत्पादक क्षेत्र हैं असम, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी की पहाड़ियाँ, और दक्षिण भारत में तमिलनाडु व केरल।

उत्तर – चाय की खेती के लिए गर्म व नम जलवायु, गहरी व ढलवाँ मिट्टी तथा प्रचुर व सस्ता श्रम आवश्यक है। भारत में असम, दार्जिलिंग, तमिलनाडु और केरल इसके प्रमुख उत्पादक क्षेत्र हैं।

उदाहरण 11. भारत में किन-किन राज्यों में आम का उत्पादन मुख्य रूप से होता है?

› सबसे पहले, हमें यह सोचना होगा कि आम किस तरह के मौसम में उगता है। आम एक उष्णकटिबंधीय फल है, जिसे गर्मी और अच्छी धूप चाहिए।

› अब हम उन राज्यों के बारे में सोचेंगे जो गर्म जलवायु वाले हैं और जहाँ आम की खेती बहुत होती है।

› इसमें महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य शामिल हैं।

उत्तर – महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में आम का मुख्य रूप से उत्पादन होता है।

उदाहरण 12. रबड़ की खेती के लिए कौन सी भौगोलिक परिस्थितियाँ आदर्श हैं?

› रबड़ एक भूमध्यरेखीय फसल है, मतलब इसे गरम जगह चाहिए।

› इसे 200 सेमी से ज़्यादा बारिश की ज़रूरत होती है, यानि बहुत ज़्यादा पानी।

› तापमान 25° सेल्सियस से ज़्यादा होना चाहिए।

› नम और आर्द्र जलवायु, यानी हवा में नमी होनी चाहिए।

उत्तर – रबड़ के लिए 200 सेमी से अधिक वर्षा, 25° सेल्सियस से अधिक तापमान और नम व आर्द्र जलवायु वाली भूमध्यरेखीय परिस्थितियाँ आदर्श हैं।

उदाहरण 13. भारत में हरित क्रांति के अंतर्गत कौन से मुख्य 'प्रौद्योगिकीय' सुधार किए गए थे?

› पहचानो कि प्रश्न 'प्रौद्योगिकीय' सुधार पूछ रहा है, यानी टेक्नोलॉजी और तरीकों से जुड़े बदलाव।

› याद करो 'हरित क्रांति' का मुख्य उद्देश्य क्या था - अनाज उत्पादन बढ़ाना।

› सोचो अनाज उत्पादन बढ़ाने के लिए वैज्ञानिकों ने क्या-क्या नया किया था।

› इसमें सबसे ज़रूरी था अधिक उपज देने वाले बीज (HYV seeds)।

› इन बीजों को ठीक से बढ़ने के लिए ज़्यादा खाद और पानी चाहिए था, तो रासायनिक उर्वरकों (fertilizers) और सिंचाई के तरीकों (irrigation methods) में सुधार हुआ।

उत्तर – हरित क्रांति के अंतर्गत मुख्य 'प्रौद्योगिकीय' सुधार थे - अधिक उपज देने वाले बीज (HYV seeds), रासायनिक उर्वरकों का उपयोग और सिंचाई सुविधाओं का विकास।

उदाहरण 14. भूदान-ग्रामदान आंदोलन क्या था और यह किस विचार पर आधारित था?

› भूदान-ग्रामदान आंदोलन आचार्य विनोबा भावे द्वारा चलाया गया एक जन आंदोलन था।

› इसका मुख्य उद्देश्य बड़े ज़मींदारों से ज़मीन का दान लेकर उसे भूमिहीन गरीब किसानों में बाँटना था।

› यह महात्मा गांधी के 'ग्राम स्वराज' और अहिंसा के विचारों पर आधारित था, यानी बिना किसी ज़ोर-ज़बरदस्ती या हिंसा के, स्वेच्छा से दान करवाना।

› पहले इसे 'भूदान' (ज़मीन का दान) कहा गया, और जब पूरा गाँव ही दान कर दिया जाता था तो उसे 'ग्रामदान' कहा गया।

› इसे 'रक्तहीन क्रांति' भी कहते हैं क्योंकि इसमें बिना खून बहाए बड़ा सामाजिक बदलाव आया।

उत्तर – भूदान-ग्रामदान आंदोलन विनोबा भावे का एक अहिंसक जन आंदोलन था जिसका लक्ष्य बड़े भूस्वामियों से ज़मीन दान में लेकर भूमिहीनों को बांटना था, और इसे 'रक्तहीन क्रांति' के रूप में जाना जाता है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इन तीनों प्रकारों के बीच के अंतर और उनकी विशेषताओं को उदाहरणों के साथ याद रखना, आपको पूरे अंक दिला सकता है।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! झूम कृषि के विभिन्न क्षेत्रीय नाम और 'कर्तन दहन प्रणाली' की प्रक्रिया को ध्यान से याद कर लेना, इस पर अक्सर सवाल आते हैं।

• यह प्रश्न बोर्ड परीक्षा में 'प्रारंभिक जीविका निर्वाह कृषि' से अंतर पूछने या इसके कारणों पर आधारित प्रश्न के रूप में आ सकता है। कारणों को अच्छे से समझना।

• वाणिज्यिक कृषि और रोपण कृषि के बीच के अंतर और समानता पर अक्सर प्रश्न आते हैं। उदाहरणों के साथ स्पष्टीकरण देना ज़रूरी है।

• तीनों फसल ऋतुओं के नाम और हर ऋतु की कम से कम दो-तीन मुख्य फसलों के उदाहरण अच्छे से याद कर लेना, यह अक्सर बोर्ड परीक्षाओं में पूछा जाता है।

• इस भाग से 'चावल/गेहूँ के लिए आवश्यक भौगोलिक परिस्थितियाँ' और 'प्रमुख उत्पादक राज्य' पर सीधे प्रश्न आते हैं। इन बिंदुओं को अच्छे से याद कर लेना, मानचित्र पर भी इन राज्यों को चिन्हित करने का अभ्यास करना।

• मोटे अनाजों के पोषक तत्वों और मक्का के उपयोग पर आधारित प्रश्न अक्सर बोर्ड परीक्षाओं में आते हैं, इसलिए इन्हें ध्यान से पढ़ना।

• दालों से जुड़े प्रश्न में उनके पोषक महत्व (प्रोटीन) और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने वाली उनकी खास भूमिका (नाइट्रोजन स्थिरीकरण) पर ज़रूर ध्यान दें, खासकर अरहर के अपवाद पर।

• गन्ना और तिलहन की खेती के लिए आवश्यक तापमान, वर्षा और प्रमुख उत्पादक राज्यों को अच्छे से याद कर लेना, यह बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

• चाय और कॉफी की भौगोलिक दशाओं और उत्पादक क्षेत्रों पर अक्सर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं। अरेबिका कॉफी की विश्व-प्रसिद्धि को ज़रूर याद रखना।

• बागवानी फसलों से जुड़े सवाल बोर्ड परीक्षा में अक्सर उत्पादक राज्यों या भारत की विश्व में स्थिति पर आते हैं। सभी प्रमुख फलों और सब्जियों के नाम तथा उनके उत्पादक राज्य याद ज़रूर कर लेना।

• इन फसलों की भौगोलिक परिस्थितियों (तापमान, वर्षा, मिट्टी) और प्रमुख उत्पादक राज्यों को अच्छे से याद कर लेना, यह बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में अक्सर 3 या 5 नंबर के प्रश्न के रूप में आता है। 'प्रौद्योगिकीय' और 'संस्थागत' सुधारों के बीच अंतर और उनके उदाहरणों को अच्छे से याद रखना।

• यह प्रश्न 'संस्थागत सुधारों' के संदर्भ में अक्सर आता है, तो इसे 'रक्तहीन क्रांति' के रूप में याद रखना और विनोबा भावे का नाम न भूलना, बहुत महत्वपूर्ण है।

एक नज़र में रिवीज़न

› कृषि के 3 मुख्य प्रकार: प्रारंभिक, गहन, वाणिज्यिक.
› प्रारंभिक जीविका निर्वाह कृषि: आदिम औजार, परिवार हेतु, कर्तन दहन प्रणाली (झूम कृषि)।
› जनसंख्या दबाव वाले क्षेत्रों में, श्रम-गहन, अधिक उत्पादन के लिए रसायनों व सिंचाई का उपयोग।
› वाणिज्यिक कृषि = बेचने के लिए; रोपण कृषि = वाणिज्यिक का प्रकार, बड़े क्षेत्र में एक फसल, उद्योग से जुड़ी।
› भारत में तीन फसल ऋतुएँ: रबी (गेहूँ), खरीफ (चावल), ज़ायद (तरबूज)।
› चावल: खरीफ, 25°C+, 100cm+ वर्षा। गेहूँ: रबी, शीत ऋतु, 50-75cm वर्षा।
› मोटे अनाज (ज्वार, बाजरा, रागी) पोषक तत्वों से भरपूर; मक्का खाद्यान्न व चारा।
› दालें: प्रोटीन का मुख्य शाकाहारी स्रोत, भारत सबसे बड़ा उत्पादक-उपभोक्ता, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाती हैं (अरहर छोड़कर)
› गन्ना (चीनी), तिलहन (तेल); खाद्यान्न नहीं पर खाद्य महत्व की फसलें।
› चाय (असम, ढलवाँ ज़मीन) और कॉफी (अरेबिका, कर्नाटक) महत्वपूर्ण पेय फसलें।
› भारत फल व सब्जी का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक; उष्ण व शीतोष्ण फल।
› अखाद्य फसलें: रबड़ (टायर), रेशेदार (कपास, जूट, रेशम); उद्योगों का कच्चा माल।
› कृषि विकास हेतु प्रौद्योगिकीय (हरित क्रांति) और संस्थागत (चकबंदी, ऋण) सुधार आवश्यक।
› विनोबा भावे का भूदान-ग्रामदान आंदोलन: भूमिहीनों को ज़मीन, रक्तहीन क्रांति।